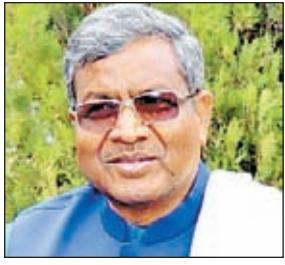


समिति की सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कार्ययोजना बनाकर लागू करे हेमंत सरकार आदिम जनजाति समाज की विशेष समिति गठित करे राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

सरकार से मांग



खबर मन्त्र व्यूथे

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आदिम जनजातियों के विशेषकर संथाल परगना क्षेत्र में निवास करने वाली पहाड़िया समाज की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ऐसे सम्प्रदाय के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने की सलाह दी है। उन्होंने राज्य सरकार से झारखंड की आदिम की ठोस कार्ययोजना तैयार की।

- पहाड़िया समाज की आर्थिक-सामाजिक स्थिति बेहद खराब
- इनके गांवों में बुनियादी सुविधाओं का घोट अभाव, शिक्षा की पहुंच नहीं

जाये, ताकि उनकी समस्याओं का साथी समाधान हो सके। उन्होंने एक विशेष समिति का गठन करने की मांग की है। इसके साथ ही समिति द्वारा किये गये सर्वेक्षण और सिफारियों के अधार पर एक वर्ष की आर्थिक और सामाजिक स्थिति

किसी से छिपी नहीं है। आज भी यह समुदाय विकास की मुख्यधारा से कोसे दूर है और बुनियादी सुविधाओं से विचर्त है। इनके गांवों तक आवागमन के लिए न तो सड़कों की उचित पहुंच है और न ही इन्हें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पाता है। उन्होंने कहा कि युगन्तरात्पूर्ण शिक्षा और पैसे का पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी घोट अभाव है। कुपोषण, एनीमिया, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां इनके जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़िया समाज के उत्थान के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ अधिकतर बिचैलैये हड्डप लेते हैं। उनके लगातार दौरे में पहाड़िया समाज कि देखकर यह साफ़ जाहिर होता है कि उनकी हालतेवद चिंताजनक बन गई है। उन्होंने कहा कि ज्ञानादी के 75 वर्ष बाट भी आदिम जनजाति समाज कि ऐसी स्थिति राज्य के लिए चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अगली कैबिनेट में मुख्यमंत्री निर्णय लेकर विशेष समिति बनाकर पहाड़िया जनजाति के गांवों में जमीनी सच्चाई देखने भेजें।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को, 15 लाख से अधिक मामलों के निपटारे का लक्ष्य



कोर्ट पहुंचने से पहले भी सुलझेंगे विवाद

लोक अदालत में उन मामलों का भी निपटारा होगा, जो अभी व्यायालय नहीं पहुंचे हैं। इन विवादों पर भी सहमति बनाकर निपटारा करने का प्रयास किया जाएगा। ऐसे मामलों की संख्या अधिक रही है।

आपसी सहमति से होता है निपटारा

लोक अदालत में उन मामलों का भी निपटारा होगा, जो अभी व्यायालय नहीं पहुंचे हैं। इन विवादों में लोक अदालत में सिविल मामलों को भेजने के लिए सभी पक्षों में सहमति बने मामलों को स्थानांतरित किया जा रहा है।

इन मामलों का होगा निपटारा : छोटे-छोटे आपसिक मामले, बैंक से संबंधित मामले, मोर्ट वाहन दुर्घटना बाद, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भू-अर्जन, राजस्व, सेवानिवृत्ति लाभ,

मनरेगा, पानी-बिजली के बिल, दावा, आपदा, अनुकंपा पर नियुक्ति और अपील से जुड़े मामलों का निपटारा होगा।

इन मामलों का होगा निपटारा : छोटे-छोटे आपसिक मामले, बैंक से संबंधित मामले, मोर्ट वाहन दुर्घटना बाद, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भू-अर्जन, राजस्व, सेवानिवृत्ति लाभ,

आलमगीर आलम की डिस्चार्ज अर्जी पर सुनवाई हुई पूरी, आदेश सुरक्षित

कमीशनरखोरी मामला



खबर मन्त्र व्यूथे

रांची। ठेकों में कमीशनरखोरी से प्राप्त 32.30 करोड़ रुपये नकद बरामदी मामले में जेल में बंद पूर्व मरांडी आलमगीर आलम की ओर से दखिल डिस्चार्ज याचिका पर सोमवार को पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अदेश सुरक्षित रखने का आदेश सुनवाई कोर्ट के लिए एवं एवर्डर्सी के लिए एवं एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने के आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है। इसके अलावा राज्य में सुनवाई की ओर सोमवार की ओर से एवर्डर्सी के लिए एवं एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि एवर्डर्सी के लिए एवं एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है। इसके अलावा राज्य में सुनवाई की ओर सोमवार की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए एवं एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई की ओर से एवर्डर्सी के लिए सुनवाई करने का आदेश को रद्द करने का आग्रह किया है।

उन्होंने याचिका को अनुरोध किया।

कार्यक्रम की ओर से एवर्डर्सी के ल



एक नजर में

एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार



खबर मन्त्र संवाददाता

साहिबगंज। जिरावाड़ी थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को देसी कट्टा बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस वासस्त्व (कोई भी बच्चा पीछे न छूटे) विषय पर अर्जोनित हुँदू।

कार्यकारी के रूप में बड़ी सफलता हासिल करने में बड़ी लोहड़ा खजूर टोला के जिसकी जानकारी सदर एसडीपीओ किशोर तिक्की ने जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए अपराधी से पूछताछ के दौरान दोनों टोलों के लिए हथियार लहरा था तथा कोई बड़ी

फिक्र मंहगाई की

भा रतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो लोहार की रौपण करते बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता तातों जा रही है कि अब फीसदी के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिट, बहरीन और युर्झ जैसे पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी के बैंक ने भौमिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीर-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साडे छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि अब वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक वाद उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई है। महंगाई नियमित ही तो विकास दर दो अंकों का अंकड़ा छू सकती है। दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद पर्याप्त इश्यो के संकट से जुझाया पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। वह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जुझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निसर्देह, हमारी भौमिक नीतियां अर्थिकों को स्थानिक प्रदान करने के लिये हाथ तक सफल रही हैं। वही वजह है कि संवेदनशील अर्थिकों के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने भौमिक नीतियों में बदलाव से पहेज किया है। निसर्देह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुभार है। इस शिथि को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है।

कार्टून वर्ल्ड



आज का रायिफल

मेष : कामकाज की व्यवस्था से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहायता मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ी व अधिलालाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष : आय-व्यय की शिथि समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आशानी से पूर्ण होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बूरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पौरी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य हाने में सद्दर है। शुभांक-1-3-5

मिथुन : व्यापार व व्यवसाय में शिथि उत्तम रहेगी। नीकी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रहें। नीकी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का गास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लें। अपने हित के काम मुबह-सर्वे ही निपटा ले। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमज़ोर बना रहा। शुभांक-1-5-8

सिंह : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्राप्ति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशानी बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन व्यापारी अवधारणा प्राप्त होगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ी रहेगी। धार्मिक अस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हांआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता देने से सफलता मिलेगी। बूरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पौरी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक : व्यापार में शिथि नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नीकी में शिथि सामान्य ही रहेगी। जीवनसाधी की पारामर्श लाभदायक रहेगा। साथ नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचतें बचतें कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु : यात्रा का दूसरी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लें। सुविधा और समन्वय बना रहें से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। अधिक दित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पौरी नजर रखें। विरोधी नुकसान पहुंचने की कोशिश करें। शुभांक-3-6-8

मकर : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। परंप्राच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ : आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालेबाल और समन्वय बन जाएगा। वार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जो खिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अदूसी साधारण मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

अभियानि

विश्व में भारत की साथ बढ़ाने की प्रतिबद्धता



दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीद और धूम-धूमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में वृद्धि की थी। अब महंगाई बढ़ने की दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साडे छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि अब वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक वाद उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई है। महंगाई नियमित ही तो विकास दर दो अंकों के बीच बैंक का आकलन है। दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद पर्याप्त इश्यो के संकट से जुझाया पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। वह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश से जुझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निसर्देह, हमारी भौमिक नीतियां अर्थिकों को स्थानिक प्रदान करने के लिए खासी साधारणी सांख्यिकी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनके अंतर्गत वाले से सर्वोच्च नामिक उपायों की एक लम्हा श्रृंखला इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री भौमी के द्वारा उनकी विश्वासी धूम-धूमियों के बीच बैंक दरों को डोमिनिका और युग्मांशु या दूसरी भौमिक नीतियों में बदलाव से पहेज किया है। निसर्देह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती रही से अपनी अर्थव्यवस्था और नीतियों में बदलाव करने के लिए खासी है। जो फिलहाल साडे छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि अब वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक वाद उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई है। महंगाई नियमित ही तो विकास दर दो अंकों के बीच बैंक का आकलन है। दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद पर्याप्त इश्यो के संकट से जुझाया पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। वह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश से जुझ रहे हैं, भारत मंदी के द्वारा उनकी विश्वासी धूम-धूमियों के बीच बैंक दरों को डोमिनिका और युग्मांशु या दूसरी भौमिक नीतियों में बदलाव से पहेज किया है। निसर्देह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती रही से अपनी अर्थव्यवस्था और नीतियों में बदलाव करने के लिए खासी है। जो फिलहाल साडे छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि अब वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक वाद उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई है। महंगाई नियमित ही तो विकास दर दो अंकों के बीच बैंक का आकलन है। दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद पर्याप्त इश्यो के संकट से जुझाया पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। वह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश से जुझ रहे हैं, भारत मंदी के द्वारा उनकी विश्वासी धूम-धूमियों के बीच बैंक दरों को डोमिनिका और युग्मांशु या दूसरी भौमिक नीतियों में बदलाव से पहेज किया है। निसर्देह, भारत इस समय दुनिया में त

